Horace 3.23
(meter: Alcaic)

--- Ω --- Ω --- Ω ---
Caelo supinas si tuleris manus
--- Ω --- Ω --- Ω ---
nascente luna, rustica Phidyle,
--- Ω --- Ω ---
si ture placa-ris et horna
--- Ω --- Ω ---
fruge Lares avidaque porca,
--- Ω --- Ω ---
nec pestilentem sentiet Africum
--- Ω --- Ω ---
fecunda vitis nec sterilem seges
--- Ω ---
ro-bi-ginem aut dulces alumni
--- Ω ---
pomifero grave tempus anno.
--- Ω --- Ω --- Ω ---
Nam quae nivali pascitur Algido
--- Ω --- Ω ---
devota quercus inter et ilices
--- Ω ---
aut crescit Albanis in herbis
--- Ω --- Ω --- Ω ---
victim a, pontificum securis
--- Ω --- Ω ---
cervice tinguet: te nihil attinet
--- Ω --- Ω ---
temptare multa caede bidentium
--- Ω ---
parvos coronantem mari-no
--- Ω --- Ω ---
rore deos fragilique myrto.
Immunis a-ram si tetigit manus,
non sump-tu-o-sa blandior hostia,
mollivit a-versos Penatis
farre pio et saliente mica.